कोसी में चार नए पुल का होगा निर्माण : मुख्यमंत्री

एरियल सर्वे के बाद सीएम नीतीश ने मिसिंग लिंक खत्म किए जाने का किया अनुमोदन, डीपीआर तैयार 1400 करोड़ रुपये होंगे खर्च

राज्य ब्यूरो, पटना : मेगा सड़क व पुल प्रोजेक्ट के एरियल सर्वे के क्रम में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को एसएच-95 एवं इंडो-नेपाल बार्डर सड़क को देखा। इस क्रम में मुख्यमंत्री ने कोसी इलाके में अलग-अलग नदियों पर चार पुल व 75 किमी सड़क निर्माण के काम को आरंभ किए जाने का निर्देश दिया। इस प्रोजेक्ट से सुपौल, मधेपुरा, सहरसा व खगड़िया आदि जिले के लोगों को पटना पहुंचने में काफी सहजता होगी तथा पर्यटन को नया रास्ता मिलेगा।

स्टेट हाईवे 95 मानसी-सहरसा-हरदी चौघड़ा होते हुए आगे बढ़ेगा। यह मानसी से आरंभ होकर सहरसा एवं मधेपुरा जिला होते हुए सुपौल के हरदी-चौघड़ा में मिलती है। इस सड़क की लंबाई 75.02 किमी है। मानसी से लगभग 7.5 किमी बदलाघाट तक सिंगल लेन सड़क है। बदलाघाट से लगभग 15.5 किमी तक कोई एलायनमेंट नहीं है। यह मिसिंग लिंक है। इस रास्ते में बागमती, कात्यायनी, मृत कोसी एवं कोसी नदी बहती है। यह इस एलायनमेंट के क्रमशः 10 वें, 12 वें, 14 वें तथा 15 वें किमी में है। इन नदियों पर वर्तमान में कोई पुल नहीं। इन चारों नदियों पर पुल प्रस्तावित है। पुल के निर्माण से मिसिंग लिंक खत्म हो जाएगा इस प्रोजेक्ट का डीपीआर तैयार कर लिया गया है। इसकी

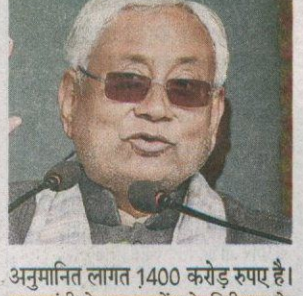

अनुमानित लागत 1400 करोड़ रुपए है। मुख्यमंत्री ने एलायनमेंट के निरीक्षण के बाद इसका अनुमोदन किया है। मुख्यमंत्री ने इंडो-नेपाल बार्डर सड़क का भी एरियल सर्वे किया। इस योजना के तहत सुपौल जिले के हिस्से को मुख्यमंत्री ने देखा। यह हिस्सा भपटियाही से वीरपुर के बीच है। यहां दो लेन सड़क बन गई है। मुख्यमंत्री ने इस प्रोजेक्ट से जुड़े अन्य जिलों में काम में तेजी लाने का निर्देश दिया। एरियल सर्वे में पथ निर्माण मंत्री नंदकिशोर यादव, मुख्य सचिव दीपक कुमार, पथ निर्माण विभाग के प्रधान सचिव अमृत लाल मीणा व मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह भी शामिल थे।